हमारे प्रभु और प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो।

दानिएल की पुस्तक के अध्ययन में आपका स्वागत है। आज हम तीसरे द्वार पर ध्यान देंगे। हम पढ़ते हैं कि राजा नेबूका्द्रेत्सर ने जो पहला सपना देखा था, जिसमें चार साम्राज्यों का अंत समय तक शासन करना दर्शाया गया था, उसके बाद इस अध्याय में हम देखते हैं कि उन्होंने अपने दर्शन को पूरा किया और एक बड़ी सोने की मूर्ति स्थापित की, और पूरी दुनिया के लोगों को उसे पूजने के लिए मजबूर किया। जो कोई इसे न मानता, उसे आग के भट्ठे में फेंकने की सजा दी जाएगी।

दानिएल 3:1-6

राजा नेबूका्द्रेत्सर ने एक सोने की मूर्ति बनाई, जिसकी
ऊँचाई साठ हाथी और चौड़ाई छह हाथी थी। इसे दुर्रा के मैदान, बबुल की प्रान्त में खड़ा किया।

तब नेबूका्द्रेत्सर ने आदेश दिया कि सभी अधिकारी, उप-राजा, प्रांतपाल, राजकोषाध्यक्ष, मंत्री, न्यायाधीश और प्रान्तों के प्रमुख इकट्ठे हों, ताकि वे मूर्ति के उद्घाटन में उपस्थित हों।

वे सभी मूर्ति के सामने खड़े हुए, जिसे राजा

नेबूका्द्रेत्सर ने खड़ा किया था।

तब शहनाई बजाने वाले ने घोषणा की: “हे सभी जातियों, राष्ट्रों और भाषाओं के लोग! यह आदेश दिया गया है—

जब आप बाजा, शहनाई, तुरही, वीणा, सिंथ और सभी प्रकार के वाद्य यंत्रों की आवाज़ सुनेंगे, तो आपको सोने की इस मूर्ति के
सामने गिरकर उसकी पूजा करनी होगी।

जो कोई नहीं गिरेगा और न उसकी पूजा करेगा, उसे उसी समय आग के भट्ठे में फेंक दिया जाएगा।”

लेकिन कुछ लोग, शद्रक, मेशक और अबेद-नेगो, इस आदेश की अवहेलना करने वाले पाए गए। ये वे लोग थे जिन्होंने परमेश्वर के वचन का पालन करते हुए राजा के अस्वच्छ भोज्य पदार्थ नहीं खाए थे, और अब वे उस मूर्ति की पूजा करने से इंकार कर रहे थे, जो परमेश्वर के कानून के खिलाफ थी।

निर्गमन 20:4-6

4. “तुम अपने लिए कोई मूर्ति न बनाओ, न तो आकाश में ऊपर, न पृथ्वी पर नीचे, न जल में पृथ्वी के नीचे किसी चीज़ का।

5. उनकी पूजा न करो और उन्हें सेवा न करो; क्योंकि मैं, प्रभु तुम्हारा परमेश्वर, ईर्ष्यालु परमेश्वर हूँ, जो पापियों को उनके पिता की पीड़ा के अनुसार दंड देता हूँ, तीसरी और चौथी पीढ़ी तक।
6. परन्तु मैं हजारों पर दया करता हूँ, जो मुझे प्रेम करते
हैं और मेरे आदेशों का पालन करते हैं।”

जब राजा ने उनकी स्थिति सुनी, वह क्रोधित हुआ और उन्हें आग के भट्ठे में फेंक दिया। लेकिन प्रभु ने उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला।

पुराना नियम नया नियम की छाया है (कुलुस्सियों 2:17)। जिस प्रकार बबुल ने एक मूर्ति बनाई और सभी को उसकी पूजा करने को मजबूर किया, वैसे ही भविष्य में आध्यात्मिक बबुल की मूर्ति बनेगी।

प्रकटयोग 13:15-18

15. उसे उस जानवर की मूर्ति में जीवन देने की शक्ति दी गई, और जो उसकी मूर्ति की पूजा नहीं करेगा, उसे मारा जाएगा।
16. छोटे से बड़े, अमीर से गरीब, स्वतंत्र से दास, सभी के हाथ या माथे पर उसका चिन्ह लगाया जाएगा।

17. और बिना उस चिन्ह के कोई खरीद या बिक्री नहीं कर सकेगा।
18. यहाँ बुद्धि चाहिए। जो समझदार है, वह जान ले कि यह मानव संख्या है, और उसकी संख्या 666 है।

यह जानवर और उसकी मूर्ति आध्यात्मिक बबुल के लिए हैं। आज यह मूर्ति धार्मिक संगठनों और संप्रदायों को जोड़कर एक “विश्व धर्म” के रूप में उभर रही है, जो भविष्य में सभी को उसकी पूजा करने और चिन्ह स्वीकार करने के लिए मजबूर करेगी।

संदर्भ और सिखावन:

संतुरी और मनुकातो: (दानिएल 3:5,10)

मुंह और नम्रता का महत्व: (दानिएल 6:22)

धैर्य और समझ: (दानिएल 10:12)

इतिहास में यह स्पष्ट है कि यह पीड़ा पहले भी हुई है—जैसे हिटलर ने यहूदियों के साथ अत्याचार किया। भविष्य में भी वही प्रकार की भयंकर कठिनाई आएगी, जब वे मसीह के साक्ष्य को बनाए रखेंगे और उस मूर्ति या चिन्ह को स्वीकार नहीं करेंगे।

1 कुरिन्थियों 7:29-31

29. “भाइयो, समय कम है; इसलिए जो विवाहित हैं, वे अविवाहित की तरह रहें; जो रोते हैं, वे न रोते; जो खुश हैं, वे न खुश; जो खरीदते हैं, वे न खरीदें; जो इस संसार का उपयोग करते हैं, वे बहुत न करें।
30. क्योंकि इस संसार की बातें क्षणिक हैं।”

1 थिस्सलुनीकियों 5:1-4

“भाइयो, समय और अवसरों के बारे में मैं आपको लिखने की आवश्यकता नहीं समझता।

क्योंकि आप जानते हैं कि प्रभु का दिन चोर की तरह आएगा।

जब लोग कहेंगे ‘शांति और सुरक्षा है,’ तब अचानक विनाश आएगा।

परन्तु आप अंधकार में नहीं हैं, ताकि वह दिन आपको चोर की तरह पकड़ ले।”

ईश्वर की आशीर्वाद आपके ऊपर बनी रहे। प्रभु यीशु का नाम धन्य हो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp